

प्रेषक,

एल0एम0 पन्त,
सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
(संलग्न विवरणानुसार)
उत्तराखण्ड।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून ::दिनांक: 19 जनवरी,2010

विषय:- द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के अन्तर्गत समस्त क्षेत्र पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2009-10 की चतुर्थ किस्त हेतु वित्तीय संक्रमण।

महोदय,

उपरोक्त विषयक मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड की संस्तुतियों के अन्तर्गत शासन द्वारा लिए गये निर्णयानुसार प्रदेश की समस्त क्षेत्र पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु चतुर्थ किस्त हेतु कुल धनराशि रु0 119829000.00 (रु0 ग्यारह करोड़ अठ्ठानवे लाख उनतीस हजार मात्र) संलग्नक के अनुसार श्री राज्यपाल महोदय आवंटन की स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2-उपर्युक्त धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संक्रमित की जा रही है:-

i)- संक्रमित की जा रही धनराशि वेतन एवं भत्तों आदि पर व्यय नहीं की जा सकेगी। क्षेत्र पंचायतों को संक्रमित की जाने वाली धनराशि के बिल कोषागार से आहरण हेतु जनपद के जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा तैयार किये जायेंगे तथा बिल जिलाधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जायेगा।

ii) प्रत्येक क्षेत्र पंचायत को संक्रमित धनराशि जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा ट्रेजरी चैक/क्रास्ट बैंक ड्राफ्ट द्वारा 15 दिन के भीतर खण्ड विकास अधिकारी को उपलब्ध करायेंगे।

3- संक्रमित धनराशि का उपयोग शासनादेश संख्या:- 1674ए/XXVII(1)/2006 दिनांक 22 नवम्बर,2006 द्वारा निर्गत मार्गनिर्देशक सिद्धान्त के अनुसार व्यय की जायेगी। इसमें किसी प्रकार का व्यावर्तन/समायोजन अनुमन्य नहीं होगा। यदि इसमें किसी प्रकार का बदलाव किया जाता है तो उसकी सूचना तत्काल वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन को प्रेषित की जायेगी तथा शासन के अनुमोदन के उपरान्त ही बदलाव अनुमन्य होगा।



4- संक्रमित धनराशि के समुचित उपयोग के लिए विभागीय अधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ लेखाधिकारी/लेखाधिकारी/सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो उत्तरदायी होंगे।

5- उपयोगिता प्रमाण-पत्र जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा खण्ड विकास अधिकारी से प्राप्त कर सम्बंधित जिलाधिकारी के प्रतिहस्ताक्षरित कराकर महालेखाकार, उत्तराखण्ड, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन तथा सचिव, ग्राम्य विकास/पंचायती राज, उत्तराखण्ड शासन को भेजा जायेगा। अवमुक्त की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर ही अगली किस्त अवमुक्त की जायेगी। प्रमाण-पत्र के साथ कराये गये कार्य का पूर्ण विवरण (कराये गये कार्य का नाम तथा व्यय की धनराशि सहित) भी भेजना होगा।

6- संक्रमित धनराशि वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-7 के लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-आयोजनेत्तर-02-पंचायती राज संस्थाएं-197-विकास खण्ड सारीय पंचायत-03-राज्य वित्त आयोग द्वारा संस्तुत करें से समनुदेशन-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

18/11/2010

(एल0एम0 पन्त)
सचिव, वित्त।

संख्या:- 44 (1)/XXVII(1)/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- आयुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमाऊ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 2- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- सचिव, पंचायती राज, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- निदेशक, पंचायती राज, उत्तराखण्ड।
- 6- समस्त जिला पंचायत राज अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 7- निदेशक, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- समस्त मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- समस्त खण्ड विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 11- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

18/11/2010

(एल0एम0 पन्त)
सचिव, वित्त।

शासनादेश संख्या- 44/XXVII(1)/2010

दिनांक: 19 जनवरी 2010 का संलग्नक।

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु क्षेत्र पंचायतों को संस्तुत समनुदेशन का विवरण।

(खनसिंह इज्जत सिंह)

क्र.सं.	जिल्ला	विकास क्षेत्र	पटुप विवरण
1	2	3	4
1-	अल्मोड़ा	भैसियाछाना	413
		भिविवासीन	614
		चीछुटिया	725
		धीलादेवी	1498
		हाराहाट	900
		हवलबाग	832
		लमगाडा	999
		सल्ट	1285
		स्याल्दे	1025
		ताकुला	552
		ताडीखेत	1399
		योग:-	10242
2-	बागेश्वर	बागेश्वर	1517
		गरुड	714
		कपकोट	1404
		योग:-	3635
3-	चमोली	दशोली	866
		देवाल	680
		गैरसीन	1339
		घाट	625
		जोशीमठ	1870
		कर्णप्रयाग	1146
		नारायणबगड़	634
		पोखरी	767
		थराली	613
		योग:-	8540
4-	चम्पावत	गाराकोट	387
		चम्पावत	1536
		लोहाघाट	493



द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु क्षेत्र
पंचायतों को संस्तुत समनुदेशन का विवरण।

(घनराशि हजार में)

क्र.सं.	जिला	विकास खण्ड	संस्तुत निरस्त
1	2	3	4
		पाटी	665
		योग:-	3081
5-	देहरादून	चकराता	1257
		डोईवाला	1684
		कालसी	1291
		रायपुर	1730
		सहसपुर	2149
		विकासनगर	1710
		योग:-	9821
6-	हरिद्वार	बहादुराबाद	4731
		भगवानपुर	2494
		खानपुर	767
		लक्सर	1512
		नारसन	2123
		रुड़की	1837
		योग:-	13464
7-	नैनीताल	बैतालघाट	752
		भीमताल	600
		धारी	374
		हल्द्वानी	1883
		कोटाबाग	606
		ओखलकांडा	985
		रामगढ़	660
		रामनगर	960
		योग:-	6829
8-	पीढ़ी	बीरोखाल	1870
		दुग्गड़डा	3692
		द्वारीखाल	2262
		एकेश्वर	1133
		कल्जीखाल	1450
		खिसू	773
		कोट	1059
		लैसडाउन	1472
		नैनीडाण्डा	1849



द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु क्षेत्र
पंचायतों को संस्तुत समनुदेशन का विवरण।

(अनन्तसिंह ब्रजवा नं)


क्र.सं.	जनपद	विकास खण्ड	द्वितीय किरत
1	2	3	8
		पारी	1503
		पौड़ी	931
		पोखड़ा	753
		रिखणीखाल	1384
		धलीसैग	2528
		यमकेश्वर	2290
		योग:-	24949
9-	पिथौरागढ़	बेरीनाग	1185
		धारचूला	1718
		डीडीहाट	481
		गंगोलीहाट	1424
		कनालीछीना	665
		मुनाकोट	707
		मुनस्यारी	1950
		पिथौरागढ़	673
		योग:-	8803
10-	रूढ़ प्रयाग	अगस्तमुनि	1871
		जखोली	926
		ऊखीमठ	971
		योग	3768
11-	टिहरी	भिलंगना	3188
		धम्ना	858
		देवप्रयाग	1033
		जाखणीधार	680
		जीनपुर	1398
		कीर्तिनगर	639
		नरेन्द्र नगर	767
		प्रतापनगर	745
		धीतधार	685
		योग	9993
12-	ऊधम सिंह नगर	बाजपुर	1073
		गदरपुर	886
		जसपुर	1005

द्वितीय राज्य वित्त आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु क्षेत्र
पंचायतों को संस्तुत समनुदेशन का विवरण।

(घनराशि हजार में)

क्र०सं०	जनपद	विकास खण्ड	द्वितीय किरत
1	2	3	8
		काशीपुर	767
		खटीमा	2601
		रूद्रपुर	1064
		सितारगंज	2734
		योग	10130
13-	उत्तरकाशी	भटवाड़ी	1231
		चिन्मालीस्तौण	739
		डुंडा	858
		मोरी	1013
		नीगांव	2321
		पुरोला	421
		योग:-	6583
		महायोग:-	119829

(रु० ग्यारह करोड़ अठ्ठानवे लाख उनतीस हजार मात्र)


(एल०एम० पन्त)
सचिव, वित्त